लालची कुत्ता

एक बार एक कुत्ते को बहुत जोर से भूख लगी थी । तभी उसे एक रोटी मिली । वह उस रोटी का पूरा आनंद लेना चहाता था । इसलिए वह उसे शान्ति में बैठकर खाने की इच्छा से रोटी को अपने मुँह में दबाकर नदी की ओर चल दिया । नदी पर एक छोटा पुल था । जब कुत्ता नदी पार कर रहा था, तभी उसे पानी में अपनी परछायी दिखाई दी । उसने अपनी परछायी को दूसरा कुत्ता समझा और उसकी रोटी छीनना चाहा ।

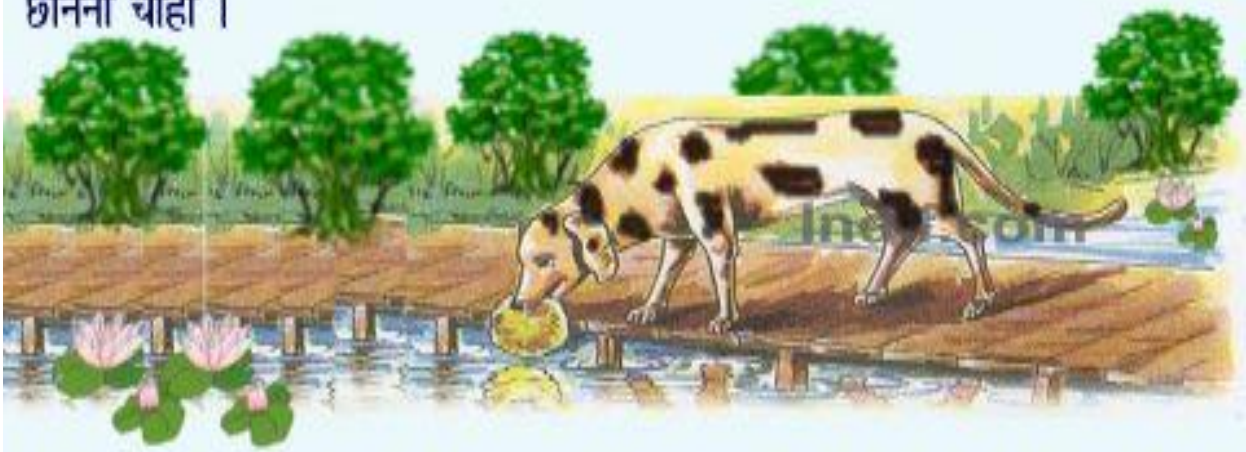

रोटी छीनने के लिए उसने भौंकते हुए नदी में छलाँग लगा दी । मुँह खोलते ही उसके मुँह की रोटी नदी के जल में गिरकर बह गयी और लालची कुता भूखा ही रह गया । इसलिए कहा गया है कि हमें लालच नहीं करना चाहिये ।

अभ्यास कार्य

नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर अनुच्छेद की मदद से लिखिए–

प्र.1 किसको भूख लगी थी ?

.....

प्र. 2 रोटी लेकर कुत्ता कहाँ चला गया ?

.....

प्र. 3 नदी पर क्या था?

.....

प्र. 4 दूसरा कुत्ता कौन था?

.....

प्र. 5 परछाई को देखकर कुत्ते ने क्या किया?

.....

प्र. 6 रोटी का क्या हुआ?

.....

प्र. 7 कुत्ते को क्या मिली थी?

.....

प्र. 8 शब्दों को शुद्ध करके लिखो –

छलाग– .....

भुखा – .....

शान्ती – .....

रवीन्द्र कुमार वर्मा
पी.आर.टी.
के.वि. अनन्तनाग